विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 19-01-2021

वर्ग षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

अहं गच्छामि।

मैं जाता हूं ।

आवां गच्छावः

हम दो जाते हैं। आवां और गच्छावः दोनो ही द्विवचन और उत्तम पुरुष मे आते हैं। (उपर की तालिकाओं को देखें।) सर्वनाम और क्रिया, वचन और पुरुष दोनो एक दूसरे के लिए संगत या अनुकूल होने चाहिएँ।

वयं गच्छामः

हम सब जाते हैं। यह दोनो वयं और गच्छामः बहुवचन हैं।

युवां गच्छथः

तुम दोनो जाते हो।

युयं गच्छथ

तुम सब जाते हो।

तौ गच्छतः

तुम दोनो (पुलिङ्ग) जाते हो।

ते गच्छतः

तुम दोनो (स्त्रीलिङ्ग / नपुसंकलिङ्ग) जाते हो। उपर की तालिकाओं में देखें कि “ते” दोनो स्त्रीलिङ्ग और नपुसंकलिङ्ग में द्विवचन के लिए इसतेमाल होता है। या बहुवचन में पुलिङ्ग के लिए भी इसतेमाल होता है।

ते गच्छन्ति

वह सब(पुलिङ्ग) जाते हैं।

ताः गच्छन्ति

वह सब (स्त्रीलिङ्ग) जातीं हैं।

तानि गच्छन्ति

वह सब(नपुसंकलिङ्ग) जाते हैं।